Journal of East-West Thought
ISSN: 2168-2259 (online)
(https://jetjournal.us/)
Volume 16, Issue 1 – 2026

JOURNAL OF EAST-WEST THOUGHT
UGC CARE I

नई शिक्षा नीति पर महात्मा गांधी के शिक्षा दर्शन का प्रभाव एक अध्ययन:

पूनम जोगपाल, शोधार्थी
राजनीति विज्ञान विभाग
ओम स्टर्लिंग ग्लोबल यूनिवर्सिटी, हिसार
डॉक्टर शैलेंद्र कुमार सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर
एसोसिएट प्रोफेसर
राजनीति विज्ञान विभाग
ओम स्टर्लिंग ग्लोबल यूनिवर्सिटी, हिसार

शोध सारांश

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारतीय शिक्षा में एक सकारात्मक बदलाव है जो आजादी के बाद की सभी पुरानी शिक्षा नीतियों पर गहन विचार विमर्श कर उनके गुण और देशों की समीक्षा करके प्रस्तुत किया की गई है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति की शुरुआत 2017 में इसरो प्रमुख डॉक्टर के कस्तूरीरंगन ने एक समिति का गठन करके की। 2019 में इसका मसौदा तैयार हुआ और 29 जुलाई 2020 को केंद्र सरकार ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को मंजूरी दी। जिसका उद्देश्य शिक्षा को अंतिम छोर पर उपस्थित छात्र तक पहुंचना है ताकि शिक्षा का प्रचार प्रसार सभी छात्रों तक सही दिशा में हो सके। इसका उद्देश्य बाल्यावस्था से छात्र का विकास करके उसे एक आत्मनिर्भर वह जागरूक नागरिक बनाना है। इसमें हर स्तर पर अनुभव द्वारा सीखना तथा शिक्षक व अधिगम को सरल व रुचिकर बनाना शामिल है। यह मूल्य आधारित शिक्षा के साथ-साथ संख्यात्मकता को भी महत्व देती है। नई शिक्षा नीति गांधीवादी दृष्टिकोण "छात्र में निहित उसके सर्वोत्तम को बाहर निकलने" के उद्देश्य को लेकर काम करती है। यह ज्ञान की महत्ता और छात्रों को कार्यक्रमों को चुनने का अवसर प्रदान करती है। नई शिक्षा नीति में पाठ्यक्रम व शिक्षक की विधियों को इस प्रकार ड्राफ्ट किया गया है कि शिक्षा आत्मनिर्भर भारत की दिशा में मिल का पत्थर साबित हो।

मुख्य शब्द : समग्र विकास, रोजगार अर्जन, शिक्षण अधिगम, कौशल विकास, बौद्धिक विकास, बहुविषयिक,समावेशी

Copyright © | JET Network, All Rights Reserved

नई शिक्षा नीति 2020 शिक्षा के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी बदलाव है जिसका उद्देश्य शैक्षिक स्तर पर निम्न से लेकर उच्च स्तर तक व्यवस्थित परिवर्तन लाना है । नई शिक्षा नीति 2020 में शिक्षा के विस्तृत स्वरूप जैसे सर्जनात्मकता समग्रता नैतिक मूल्य और कौशल विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है । ताकि शिक्षा अपने वास्तविक स्वरूप में लागू हो सके । शिक्षा का वास्तविक अर्थ मानव का सर्वांगीण विकास करना है । शिक्षा मानव जीवन के प्रत्येक क्षेत्र सामाजिक नैतिक आर्थिक और चारित्रिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है । नई शिक्षा नीति 2020 में इन सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर पाठ्यक्रम तैयार किया गया है ताकि शिक्षा का मूल उद्देश्य प्राप्त किया जा सके । नई शिक्षा नीति 2020 का विश्लेषण करते हुए हम पाते हैं कि गांधीवादी शैक्षिक दर्शन ने नई शिक्षा नीति 2020 को काफी हद तक प्रभावित किया है । गांधी जी के समग्र विकास कौशल विकास और नैतिक विकास के सभी पहलुओं को नई शिक्षा नीति 2020 में उचित स्थान दिया गया है।

नई शिक्षा नीति 2020 का विश्लेषण करते हुए पाए हैं कि वास्तव में यह अतीत वह वर्तमान को जोड़ने के मध्य एक कड़ी का काम करती है । नई शिक्षा नीति 2020 महात्मा गांधी के विचारों के साथ सामंजस्य स्थापित करके स्वदेशी ज्ञान, व्यावसायिक शिक्षा, नैतिक विकास व विकेंद्रीकरण पर जोर डालती है । यह गांधीवादी शैक्षिक दर्शन के साथ सामंजस्य स्थापित करके राष्ट्र निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान करती है । 1986 में आई नई शिक्षा नीति के 34 वर्षों बाद शिक्षा में आई यह एक नवीन क्रांति है जिसको 29 जुलाई 2020 भारत सरकार से स्वीकृति मिली और बहुत गहन विचार विमर्श परामर्श और बैठकों के बाद शिक्षा नीति को समकालीन स्वरूप दिया गया । जिसमें प्राथमिक स्तर से लेकर उच्च स्तर तक एक व्यापक व नवीन स्वरूप प्रदान किया गया है । नई शिक्षा नीति 2020 के पाठ्यक्रम का गहन अध्ययन करने के बाद पता लगता है कि नीति में पाठ्यक्रम शिक्षा प्रणाली में उन्ही सिद्धांतों पर अधिक बल दिया गया है जिस पर महात्मा गांधी की नई तालीम 1939 में जोर दिया गया है ।

Copyright © | JET Network, All Rights Reserved

Journal of East-West Thought
ISSN: *2168-2259 (online)*
(*https://jetjournal.us/*)
Volume 16, Issue 1 – 2026

महात्मा गांधी का शिक्षा से अभिप्राय है जो छात्र वह व्यक्ति के तन मन वह आत्मा से व्यक्ति में निहित सर्वोत्तम को बाहर निकल सके I अर्थात शिक्षा का अर्थ केवल साक्षर होना या अक्षर ज्ञान न होकर व्यक्ति का संपूर्ण विकास है। गांधी जी के अनुसार, " विद्यार्थियों के शरीर और मां को शिक्षित करने की अपेक्षा आत्मा को शिक्षित करने में बहुत परिश्रम करना पड़ा "1 अर्थात शारीरिक और मानसिक विकास से ज्यादा छात्रों के बौद्धिक व आध्यात्मिक विकास के लिए अधिक प्रयास करना पड़ता है I अतः बौद्धिक व आध्यात्मिक विकास शिक्षा का सबसे महत्वपूर्ण भाग है। यह एक समग्र अवधारणा है जो व्यक्ति को सत् चित आनंद विज्ञान का बोध कराती है I इतिहास का अध्ययन करने पर ज्ञात होता है कि भारत प्रारंभ से सीखने व सिखाने की कला विश्व का केंद्र बिंदु रहा है I प्राचीन विश्वविद्यालय इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं I जिसमें तक्षशिला, विक्रमशिला व नालंदा विश्वविद्यालय अग्रर्णी रहे हैं, जिन्होंने शिक्षण व अधिगम के नए आयाम स्थापित किए हैं I समय के साथ-साथ भारतीय शिक्षा प्रणाली में आए परिवर्तनों ने भारत में शिक्षा व शिक्षक के स्वरूप को बदल दिया और भारत की शिक्षा को केवल नौकरी प्राप्त करने का साधन मात्र बना दिया I आजादी के बाद भारत में कई शिक्षा आयोग आए जिन्होंने भारतीय शिक्षा में परिवर्तन किए जैसे 1966 में कोठारी आयोग और 1986 में नई शिक्षा नीति I इन्होंने शिक्षा में महत्वपूर्ण परिवर्तन किये पर शिक्षा को वह स्वरूप प्रदान नहीं कर पाए जो व्यक्ति के संपूर्ण विकास में सहायक है।

1986 के बाद लगभग 34 वर्षों बाद देश की विकासवादी आवश्यकताओं और गांधीवादी दृष्टिकोण को पूरा करने हेतु नई शिक्षा नीति समकालीन समाज को शिक्षा में नए आयाम प्रस्तुत करती है I यह शिक्षा के क्षेत्र में गांधीवादी शैक्षिक दर्शन स्थापित करने की

---

1 महात्मा गांधी " सत्य के साथ मेरे प्रयोग" प्रभात प्रकाशन दिल्ली ISO 90012008 पृष्ठ संख्या 128

Copyright © | JET Network, All Rights Reserved

Journal of East-West Thought
ISSN: *2168-2259 (online)*
(https://jetjournal.us/)
Volume 16, Issue 1 – 2026

दिशा में महत्वपूर्ण कदम है । राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का मुख्य उद्देश्य गांधी जी की नई तालीम की भांति व्यक्ति का समग्र विकास के साथ भारतीय परंपरा में नैतिक मूल्यों को पुनः स्थापित करना है । नई शिक्षा नीति 2020 में प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा को अधिक महत्व दिया गया है क्योंकि मातृभाषा सीखने की प्रक्रिया को सरल और सहज बनती है तथा नैतिक शिक्षा पर बल दिया गया है ताकि छात्र का चारित्रिक विकास भी हो सके । गांधी जी भी मातृभाषा को छात्र के लिए आवश्यक मानते हैं । उनका मानना है कि प्राथमिक शिक्षा मातृभाषा में होनी चाहिए बाद में अन्य भाषा का प्रयोग कर सकते हैं ।

गांधीवादी दर्शन की भांति नई शिक्षा नीति 2020 करके सीखने की प्रक्रिया को महत्व देती है क्योंकि शिक्षा का उद्देश्य साक्षर ना होकर शिक्षित और निपुण होना है यह श्रम के महत्व को स्वीकार करती है क्योंकि यह छात्र के बौद्धिक विकास के साथ-साथ व्यावसायिक शिक्षा को भी महत्व देती है । गांधी जी शिक्षा को बंधन न मानकर मुक्ति का मार्ग मानते थे जो छात्र को स्वयं को जानने का मार्ग है और अपने अंदर निहित कौशल को पहचानना है। नई शिक्षा नीति 2020 इस उद्देश्य को पूर्ण करती हुई नजर आती है ।

गांधी जी का मानना था कि तत्कालीन शिक्षा प्रणाली में भारतीयता का बोध नहीं था । यह शिक्षा प्रणाली अंग्रेजों ने अपनी आवश्यकताओं को पूर्ण करने के लिए अपनाई थी जो भारत की संस्कृति वह सभ्यता के अनुकूल नहीं थी । अतः गांधीजी ने 1938 में वर्धा में अखिल भारतीय शिक्षा सम्मेलन न केवल तत्कालीन पश्चिमी मॉडल की आलोचना की अपितु उसे भारतीय समाज के प्रतिकूल भी बताया । उन्होंने 1939 में नई ताली में उन सभी पहलुओं को शामिल किया जिसमें भारतीय समाज के मूल्यों को आत्मसात किया गया ।

Copyright © | JET Network, All Rights Reserved

Journal of East-West Thought
ISSN: 2168-2259 (online)
(https://jetjournal.us/)
Volume 16, Issue 1 – 2026

JOURNAL OF EAST-WEST THOUGHT

UGC CARE I

नई शिक्षा नीति 2020 में माध्यमिक शिक्षा में स्किलस आधारित पाठ्यक्रम तैयार किया गया है और मूल्यांकन भी समग्र विकास प्रदर्शन मूल्यांकन ज्ञान के विश्लेषण पर आधारित है ताकि छात्रों को रोजगार अर्जन योग्य बनाया जा सके । इसमें संगीत कौशल विकास खेल पर विशेष ध्यान दिया गया है ताकि ज्ञान का स्तर व्यापक हो सके । गांधी जी का शैक्षिक दर्शन भी छात्र के शारीरिक मानसिक व चारित्रिक विकास पर आधारित पाठ्यक्रम पर जोर डालता है । गांधी जी शिक्षा में बाहरी हस्तक्षेप को स्वीकार नहीं करते और नई शिक्षा नीति 2020 में भी शिक्षक के महत्व को स्वीकार करके गुरु शिष्य परंपरा को स्वीकार किया गया है गांधी जी के बुनियादी शिक्षा का नई शिक्षा नीति 2020 पर प्रभाव स्पष्ट दिखाई देता है । नई शिक्षा नीति 2020 भी भारतीय मूल्य नैतिक कर्तव्यों पर बल देकर राष्ट्र निर्माण के लिए एक सजग नागरिक का निर्माण करती है । नई शिक्षा नीति 2020 उच्च स्तर पर बहुविषक आधारित शिक्षा की व्यवस्था करता है । छात्र की रुचि के अनुसार वह अपने विषय का चयन कर सकता है जो उसके ज्ञान में वृद्धि करके उसकी रचनात्मकता को बढ़ावा देता है । यह विचार काफी हद तक गांधीवादी विचारधारा से मेल खाता है । गांधी के अनुसार शिक्षा का पाठ्यक्रम वह हो जो विविधता और छात्र की रुचि पर आधारित हो उच्च शिक्षा में इस विषय का पूर्णतया ध्यान रखा गया है । गांधीवादी दृष्टिकोण में समावेशी और समायोजित शिक्षा को महत्व दिया गया है । नई शिक्षा नीति 2020 के उच्च शिक्षा स्तर पर भी विद्यार्थी अपनी शिक्षा को दोबारा वहीं से शुरू कर सकता है जहां से उसकी शिक्षा में विराम आया था । "नई शिक्षा नीति 2020 में ड्रॉप आउट बच्चों की संख्या को कम करना और सभी स्तरो पर शिक्षा की सार्वभौमिक पहुंच सुनिश्चित करना शामिल है "2 ताकि छात्रों को दोबारा से मुख्य धारा मिलाकर उनका बौद्धिक विकास किया जा सके ।नई शिक्षा नीति 2020 छत्र को संविधानिक मूल्य में गहरी आस्था वह राष्ट्र के प्रति सद्भावना को विकसित कर लोकतांत्रिक मूल्यों को

---

2 नई शिक्षा नीति 2020 मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय पृष्ठ संख्या 14

Copyright © | JET Network, All Rights Reserved

बढ़ावा देती है । गांधी जी भी लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित शिक्षा के पक्षधर रहे हैं । गांधी जी शिक्षा के माध्यम से छात्रों को शिक्षित कर आत्मसहायता व समाज कल्याण के गुणो को विकसित करने के पक्ष में थे । नई शिक्षा नीति भी इन गुणो को विकसित करने में कारगर सिद्ध होती है ।

बुनियादी शिक्षा 1937 का प्रभाव नई शिक्षा नीति पर स्पष्ट दिखाई देता है । नई शिक्षा नीति में शिक्षा का भारतीयकरण करके भारतीय संस्कृति सभ्यता व नैतिकता को बढ़ावा देती है । जो युवाओं में लोकतांत्रिक गुणो का विकास करती है और उन्हें राष्ट्र व समाज के प्रति अपने दायित्व व कर्त्तव्यों का बोध कराती है। नई शिक्षा नीति 2020 उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षक प्रणालियों को बढ़ावा देकर शिक्षा को नवीन स्वरूप प्रदान करती है । यह भारतीय संस्कृति की जड़ों को पोषित करती है । वास्तव में गांधी जी भी इसी तरह की शिक्षा के पक्षधर थे जिसमें भारतीयता का समावेश हो और जो छात्र को अपनी संस्कृति व सभ्यता से जोड़कर रखें । नई शिक्षा नीति 2020 छात्र का केवल बौद्धिक विकास ही नहीं करती अपितु शारीरिक मानसिक आध्यात्मिक विकास भी करती है । गांधी जी के अनुसार शिक्षा आजीवन चलने वाली प्रक्रिया है और सिखाना शिक्षा का महत्वपूर्ण अंग है । इस प्रकार शिक्षा का उद्देश्य हुआ सर्वांगीण विकास । गांधी जी के अनुसार, " शिक्षा से मेरा अभिप्राय उसे प्रक्रिया से है जो बालक और मनुष्य के शरीर बुद्धि और आत्मा के सर्वोत्तम गुणो का विकास करती है ।"3 नई शिक्षा नीति में गांधी जी की इसी अवधारणा को आत्मसात किया गया है । छात्र को शिक्षा से जोड़ना और उसे अनुभव के माध्यम से सीखना उसको आत्मनिर्भर बनाना और एक अच्छे नागरिक का निर्माण करना इसका मुख्य उद्देश्य है ।

3 अरोड़ा के एल " आधुनिक भारतीय समाज में शिक्षा" 1990 संजली प्रकाशन भिवानी

Copyright © | JET Network, All Rights Reserved

Journal of East-West Thought
ISSN: *2168-2259 (online)*
(https://jetjournal.us/)
Volume 16, Issue 1 – 2026

निष्कर्ष : गांधी जी के शिक्षा संबंधी विचारों के संग्रह को" द ब्यूटीफुल ट्री, की संज्ञा दी जाती है क्योंकि उनकी शिक्षा की अवधारणा केवल छात्र को ही शिक्षित ही नहीं करती अपितु समाज राष्ट्र के निर्माण में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। गांधी जी की 1937 में वृद्ध में बेसिक शिक्षा की योजना तत्कालीन भारतीय शिक्षा नीति का गहन अध्ययन करके ही प्रस्तुत की गई थी उन्होंने इस बुनियादी शिक्षा के माध्यम से शिक्षा में पूर्णतया भारतीयता लाने का प्रयास किया जिसमें मातृभाषा शिल्प आधारित कला साहित्य व नैतिक मूल्यों पर आधारित शिक्षा का सिद्धांत दिया। नई शिक्षा नीति 2020 में गांधीजी के उन सभी सिद्धांतों को पूर्ण स्थान दिया गया है तथा शिक्षा में भारतीय मूल्य परंपरा नैतिकता के महत्व को स्वीकार किया गया है। इस शिक्षा नीति में व्यावसायिक व उच्च शिक्षा पर ज्यादा जोर दिया गया है ताकि छात्र आत्मनिर्भर बन सके। नई शिक्षा नीति 2020 मातृभाषा कौशल विकास पर ज्यादा ध्यान देती है ताकि पाठ्यक्रम रुचिकर व बुद्धिमत्ता पूर्ण हो। नई शिक्षा नीति 2020 छात्रों के शारीरिक विकास के साथ-साथ आध्यात्मिक का विकास कर व्यक्ति को चरित्रवान नागरिक बनाती है। अगर हम नई शिक्षा नीति का गहनता से विश्लेषण करें तो हम पाते हैं की नई शिक्षा नीति वास्तव में महात्मा गांधी के शैक्षिक दृष्टिकोण पर खरी उतरती है और यह अतीत को वर्तमान से जोड़ती हुई प्रतीत होती है। शिक्षा के माध्यम से गांधी जी ने जो स्वावलंबी भारत और चरित्रवान व्यक्ति का सपना देखा था वह नई शिक्षा नीति के माध्यम से पूर्ण होता प्रतीत होता है

संदर्भ सूची

यादव कुमार विनोद "महात्मा गांधी जी की बुनियादी शिक्षा और नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की प्राथमिक शिक्षा का समीक्षात्मक अध्ययन" इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ रिसर्च, वॉल्यूम 13,जुलाई 2023, ISSN 2249-7382

सिंह वीरेंद्र,देवी कुकन" उच्च शिक्षा के विशेष संदर्भ में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की एक महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि "इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ रिसर्च एंड एनालिटिक रिव्यू, E ISSN 2348-1269,P ISSN 2349-5138, जनवरी 2022

Copyright © | JET Network, All Rights Reserved

गुरु पंच सिंह कुबेर "नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति चुनौतियां एवं समाधान "इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ रिव्यू एंड रिसर्च इन सोशल साइंस 2022, वॉल्यूम 10, ISSN 2347-5145

सरोला सागर,सिरोला देवकी,"भारतीय ज्ञान परंपरा एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020" इंटरनेशनल जर्नल फॉर मल्टीडिसीप्लिनरी रिसर्च, E ISSN 2582-2160, वॉल्यूम 6, मार्च अप्रैल 2024

पोखरियाल रमेश' निशंक',"महात्मा गांधी की नई तालीम के अनुरूप शिक्षा नीति" समाचार पत्र लोकमत, मई 2022

गुप्ता एस पी,गुप्ता अलका राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एक सरल परिचय" शारदा प्रकाशन, प्रयागराज 2022

पोखरियाल रमेश' निशंक',"महात्मा गांधी की नई तालीम के अनुरूप शिक्षा नीति" समाचार पत्र लोकमत, मई 2022

गुप्ता एस पी,गुप्ता अलका राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एक सरल परिचय" शारदा प्रकाशन, प्रयागराज 2022

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एक सरल परिचय डॉक्टर एसपी गुप्ता शारदा प्रकाशन प्रयागराज 2022

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार

योजना पत्रिका अंक फरवरी 2020 शिक्षा के क्षेत्र में प्रमुख पहल योजना

शिक्षा व भारतीय समाज मंजू मिश्रा ओमेगा प्रकाशन प्रथम संस्करण 2007 ISBN -89612-85-9

उदीयमान भारतीय समाज में शिक्षा डॉ रेनू गुप्ता जगदंबा पब्लिशिंग कंपनी संस्करण 2007 ISBN-81-88780-14-6

Copyright © | JET Network, All Rights Reserved